



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3— उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3— Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 186]
No. 186]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 28, 1979/वैशाख 8, 1901
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 28, 1979/ VAISAKHA 8, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1979

क्र०आ० 234 (अ):—राष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित
आदेश सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है:—

आवेद

अतः, मुझे नीलम संजीव रेड्डी, भारत के राष्ट्रपति को,
गोवा, दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई
है और उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् मेरा यह समझान हो गया
है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें गोवा, दमण और दीव संघ राज्य
क्षेत्र का प्रशासन, संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् “अधिनियम” कहा गया है) के उपबंधों के अनुसार
नहीं चलाया जा सकता,

अतः, अब, अधिनियम की धारा 51 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस
निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
मैं इस आदेश द्वारा—

- (क) अधिनियम के निम्नलिखित उपबंधों का प्रवर्तन, उक्त गोवा,
दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में इस आदेश की तारीख
से छह मास की अवधि के लिये निलम्बित करता हूँ, अर्थात्:—
धारा 6 की उपधारा (1) और उपधारा (2) का खण्ड (क),
धारा 7 में उपधारा (1), (3) और (4), उपधारा (2) के खण्ड
(ख) (ग) और उस उपधारा का प्रथम परन्तुक, और उपधारा (5)
का उतना भाग जो उपाध्यक्ष के वेतन और भत्तों से संबंधित है;

धारा 8 से 12 (जिसमें दोनों धारा सम्मिलित हैं) धारा, 15 से 17
(जिनमें दोनों धारा सम्मिलित हैं और धारा 22, धारा 27
की उपधारा (1) का उतना भाग जिसके लिये राष्ट्रपति के
पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होती है और उसी धारा की उपधारा
(3) के खंड (ग) का उतना भाग जो उपाध्यक्ष के वेतन और
भत्तों से संबंधित है;

धारा 30 की उपधारा (1) का उतना भाग जिसके लिये राष्ट्रपति
के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होती है;

धारा 33, धारा 34 की उपधारा (2) और धारा 36,

धारा 44 और 45,

धारा 46 की, उपधारा (1) और उपधारा (2) में, निम्नलिखित
उपबंध, अर्थात् “क्या अपने मंत्रियों के सलाह पर या अन्यथा
लिया गया”; और धारा 50 का उतना भाग जो मंत्रिमंडल से
संबंधित है; और

(ख) निम्नलिखित आनुषंगिक और परिणामिक उपबंध बनाता हूँ
जो मुझे पूर्वोक्त अवधि के दौरान संविधान के अनुच्छेद
239 के अनुसार गोवा, दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्र का
प्रशासन करने के लिये आवश्यक और समीचीन प्रतीत
होते हैं, अर्थात्:—

- (i) उक्त संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा भंग की जाती है;
(ii) जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, उक्त संघ राज्य क्षेत्र
के संबंध में, अधिनियम की धारा 6, 23, 27, 28, 30
और 49 में प्रशासक के प्रति किसी निर्देश का बर्ण

राष्ट्रपति के प्रति निर्देश लगाया जाएगा और धारा 23, 27 से 31 (जिनमें दोनों धारा सम्मिलित हैं), 48 और 49 में किसी संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा के प्रति किन्हीं शब्दों में निर्देश का जहां तक उसका संबंध उसके कृत्यों का और शक्तियों से है, अर्थ, संसद के प्रति निर्देश लगाया जाएगा।

ह०/-

नई दिल्ली,

नीलम संजीव रेड्डी,

दिनांक : 27 अप्रैल, 1979

भारत का राष्ट्रपति

[सं. यू. 11012/2/79-यू०टी०एल०]

म० ला० कम्पानी, अपर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th April, 1979

S.O. 234 (E).—The following Order made by the President is published for general information :—

ORDER

Whereas I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India, have received a report from the Administrator of the Union territory of Goa, Daman and Diu and after considering the report, I am satisfied that a situation has arisen in which the administration of the Union territory of Goa, Daman and Diu cannot be carried on in accordance with the provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963) (hereinafter referred to as "the Act");

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and of all other powers enabling me in that behalf, I hereby—

- (a) suspend, for a period of six months from the date of this order, in relation to the said Union territory of Goa, Daman and Diu the operation of the following provisions of the Act, namely :—

sub-section (1) and clause (a) of sub-section (2) of section 6;

in section 7, sub-sections (1), (3) and (4), clauses (b) and (c) of sub-section (2) and the first proviso to that sub-section, and so much of sub-section (5) as relates to the salaries and allowances of the Deputy Speaker;

sections 8 to 12 (both inclusive), sections 15 to 17 both inclusive;

section 22;

so much of sub-section (1) of section 27 as requires the previous approval of the President and so much of clause (c) of sub-section (3) of the same section as relates to the salaries and allowances of the Deputy Speaker;

so much of sub-section (1) of section 30 as requires the previous approval of the President;

section 33, sub-section (2) of section 34 and section 36;

sections 44 and 45;

sub-section (1), and the following provision, namely, "whether taken on the advice of his Ministers or otherwise" in sub-section (2), of section 46; and

so much of section 50 as relates to the Council of Ministers; and

- (b) make the following incidental and consequential provisions which appear to me to be necessary and expedient for administering the Union territory of Goa, Daman and Diu in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period, namely :—

(i) the Legislative Assembly of the said Union territory hereby dissolved;

- (ii) in relation to the said Union territory, unless the context otherwise requires, any reference in sections 6, 23, 27, 28, 30 and 49 of the Act to the Administrator shall be construed as a reference to the President and any reference in sections 23, 27 to 31 (both inclusive), 48 and 49 to the Legislative Assembly of a Union territory by whatever form of words shall, insofar as it relates to the functions and powers thereof, be construed as a reference to Parliament.

Sd./-

New Delhi,
the 27th April, 1979.

NEELAM SANJIVA REDDY,
President of India.

[No. U-11012/2/79-UTL]

M. L. KAMPANI, Additional Secy.